मुग़ल साम्राज्य भाग-3

जहांगीर (1605 – 1627)

- जहांगीर 1605 में सिंहासन पर बैठा था। उसने 12 अध्यादेश जारी किए। उसने आगरा के किले में जंजीर-इल-अदल (न्याय की जंजीर) को स्थापित किया और इसे अपने कठोर न्याय प्रशासन के लिए जाना जाता था।
- इसका विवाह 1611 में एक अफगान विधवा मेहरुनिस्सा से हुआ और जिसे इसने बाद में नूर महल (महल का प्रकाश), नूरजहां (विश्व का प्रकाश) और पदशाह बेगम की उपाधि दी।
- 1606 में जहांगीर ने पांचवे सिक्ख गुरु, गुरु अर्जुन देव को मरवा दिया, क्योंकि उन्होंने जहांगीर के पुत्र खुसरों की उसके खिलाफ विद्रोह करने में सहायता की थी।
- 1609 में, जहांगीर इंग्लैण्ड के राजा जेम्स I के एक दूत विलियम हॉकिन्स से मिला, जो व्यापार में रियायत प्राप्त करने के उद्देश्य से भारत आया था।
- 1615 में, सर थॉमस रो जहांगीर के दरबार में इग्लैंड के जेम्स I के प्रथम राजदूत के रूप में पहुंचे। उसके प्रयासों के परिणामस्वरूप, सूरत, गुजरात में प्रथम अंग्रेजी कारखाना स्थापित किया गया।
- जहांगीर के काल को मुगल चित्रकला का स्वर्णकाल माना जाता है। जहांगीर स्वयं भी एक चित्रकार था। उस्ताद मंसूर, अबुल हसन और बिशन दास जहांगीर के दरबार के प्रसिद्ध चित्रकार थे।
- अनारकली जहांगीर की प्रेमिका थी। के. आसिफ द्वारा निर्देशित मुगले आज़म जहांगीर और अनारकली के मध्य प्रेमप्रसंग का चित्रण है।
- जहांगीर ने अपनी आत्मकथा तुज़ुक-ए-जहाँगीरी फारसी भाषा में लिखी थी।
- जहांगीर की मृत्यु वर्ष 1627 में हुई थी और इसे लाहौर में शाहदरा में दफनाया गया था।

स्थापत्य

- जहांगीर ने श्रीनगर में शालीमार और निशांत बाग का निर्माण करवाया था।
- उसने सिकन्दरा में अकबर के मकबरे के निर्माण को पूर्ण करवाया था।
- जहांगीर ने लाल पत्थर के स्थान पर संगमरमर के व्यापक प्रयोग को शुरु किया और अलकंरण कार्य के लिए पित्रदुरा का प्रयोग किया। नूरजहां ने आगरा में एतमाद्-उद-दौला/मिर्जा गियास बेग के संगमरमर के मकबरे का निर्माण करवाया।
- इसने लाहौर में मोती मस्जिद और शाहदरा में स्वयं के मकबरे का निर्माण करवाया था।

शाहजहां (1628-1658 ईसवी)

- शाहजहां का जन्म 5 जनवरी, 1592 को लाहौर में हुआ था। इनकी माता का नाम जगत गोसाईं था और इनका बचपन का नाम खुर्रम था। यह 1628 में सिंहासन पर बैठे थे।

Follow us on Telegram
Gradeup PCS & Other State Exams
Gradeup: PCS & State Exams
137K subscribers
Subscribe Now

- इन्होंने नूरजहां के भाई आसफ खान की पुत्री अरजूमंद बेनू बेगम से विवाह किया। जिसे बाद में मुमताज़ महल का नाम दिया गया जिसका अर्थ महल की प्रिय था।
- शाहजहां ने 1631-32 में हुगली में पुर्तगालियों की बस्तियों को तबाह कर दिया।
- लाल किले का दरवाजा लाहौर दरवाजा है। लाहौर दरवाजे पर ही भारत के प्रधानमंत्री राष्ट्रीय झण्डे 'तिरंगे' को फहराते हैं और स्वतंत्रता दिवस पर राष्ट्र को संबोधित करते हैं।
- 1656 में शाहजहां ने दिल्ली में जामा मस्जिद का निर्माण करवाया था। यह भारत में सबसे बड़ी मस्जिद है। भारत में पहली मस्जिद का निर्माण 644 ईसवी में केरल (चेरेमन पल्ली) में कोडुनगल्लूर में मलिक इब्न दीनार द्वारा किया गया था।
- शाहजहां के काल को **मुगल साम्राज्य का स्वर्णकाल** कहा जाता है।
- पुर्तगालियों ने शाहजहां के शासनकाल में भारत में यूरोपीय चित्रकारी को पेश किया था।
- 1658 में शाहजहां को उसके पुत्र औरंगजेब द्वारा कैद कर लिया गया था और जहां आठ वर्षो बाद 1666 में उनकी मृत्यु हो गई। उसकी पुत्री जहां आरा को भी उसके साथ आगरा के किले में कैद रखा गया था।
- शाहजहां का पुत्र दाराशिकोह एक प्रसिद्ध विद्वान था। उसने भगवत गीता और साठ उपनिषदों का फारसी भाषा में अनुवाद किया था। उसने 'मुज्म-अल-बेहरेन (महासागरों का संगम) नाम से एक पुस्तक भी लिखी थी। उसने अथर्ववेद का भी फारसी भाषा में अनुवाद किया था।
- शाहजहां एक प्रसिद्ध गीतकार था, जो हिन्दी में लिखता था। प्रसिद्ध मयूर सिंहासन को शाहजहां ने बनवाया था। इसे 1739 में नादिर शाह (फारसी आक्रमणकारी) के भारत आक्रमण के दौरान छीन लिया गया था। अब इसे लंदन टॉवर अजायबघर (संग्रहालय), ब्रिटेन में रखा गया है।
- फ्रांसिसी यात्री बर्नीयर और टैवेरनियर, इटली के यात्री निकोली मानुसी, पीटर मुन्डी ने शाहजहां के काल में भारत की यात्रा की थी।

स्थापत्य

- शाहजहां काल को मुगल वास्तुकला का स्वर्ण काल माना जाता है और शाहजहां को वास्तुकारों का राजकुमार कहा जाता है।
- 1631 में, उसने अपनी बेगम की याद में ताजमहल के निर्माण का कार्य शुरु करवाया और इसका कार्य 1653 में पूरा किया गया था। इसके वास्तुकार एक तुर्की/फारसी उस्ताद ईज़ा थे। ब्रिटिश प्रशासक फर्गूसन ने इसे 'अ लव इन मार्बल' कहा था।
- 1638 में शाहजहां ने दिल्ली में अपनी नई राजधानी शाहजहांनाबाद का निर्माण करवाया और आगरा से राजधानी को यहां स्थानांतरित किया। इन्होंने तख़्त-ए-तऊस (मयूर सिंहासन) का भी निर्माण करवाया।
- 1639 में, उसने अकबर द्वारा बनाए गए आगरा के किले के मॉडल के आधार पर दिल्ली में लाल किले का निर्माण शुरु किया। दीवाने-आम, दीवाने-खास और मोती मस्जिद लाल किले के अंदर स्थित है। आगरा की मोती मस्जिद का निर्माण शाहजहां द्वारा करवाया गया था।

Follow us on Telegram
Gradeup PCS & Other State Exams
Gradeup: PCS & State Exams
137K subscribers
Subscribe Now